देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 201 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
अलर्ट मेसेज मिलने के बाद हंगामा

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 17 नवंबर 2023

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 22.0°

66023.69 | 2 शी जिनपिंग तानाशाह हैः बाइडन | 7 ऑस्ट्रेलिया के आगे हांफ गई साउथ अफ्रीका

40 जिंदगियों के लिए बढ़ रही स्वजनों की चिंता

सुरंग के 200 मीटर क्षेत्र को आम लोगों और मीडिया की आवाजाही प्रतिबंधित

संवाददाता

देहरादून। श्रमिकों को सकुशल बाहर निकलने का खोज बचाओ अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। सुरक्षा कर्मियों ने सुरंग के 200 मीटर क्षेत्र को आम लोगों और मीडिया की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी है। सिलक्यारा सुरंग में हुई भूस्खलन की घटना से न केवल सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के स्वजन परेशान हैं, बल्कि सिलक्यारा गांव सहित आसपास के गांव के ग्रामीण भी चिंतित है। स्थानीय निवासियों की चिंता सुरंग में फंसे श्रमिकों के अलावा सुरंग के सुरक्षित भविष्य को लेकर भी है।

नई एडवांस ऑगर मशीन से ड्रिलिंग का काम जारी है, लेकिन अभी तक केवल डेढ़ पाइप ही मलबे में डाला जा सका है। यहां पाइपों की वेल्डिंग में एक से डेढ़ घंटे का समय लग रहा है। वहीं इस कार्य में एलाइनमेंट का भी विशेष ध्यान रखना पड़ रहा है। सुरंग में करीब 70 मीटर तक मलबा पसरा हुआ है। इसे देखकर रेस्क्यू कार्य में एक से दो दिन का समय और लगने की संभावना है। हालांकि अंदर फंसे सभी 40 मजदूर सुरक्षित हैं। एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें खाने और ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है।

मजदूरों से की जा रही बातः हादसे के पांचवे दिन गुरुवार को सुरंग में ड्रिलिंग व राहत एवं बचाव कार्य जारी रहा। वहीं, मजदूरों से संवाद भी किया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जितना ज्यादा हो सके सुरंग में फंसे श्रमिकों से संवाद बनाए रहें। सरकार उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने के हर संभव प्रयास कर रही है।

पहले आते अधिकारी, तो नहीं होता हादसा पर, 12 नवंबर को सुरंग में जो घटनाक्रम हुआ है वह बेहद ही दुखद है और चिंतित करने वाला है। देख रहे हैं कि सुरंग में हर दिन सैकड़ों की संख्या में आवाजाही हो रही है। जिनमें बड़ी संख्या में अधिकारी और नेता भी शामिल हैं। पुष्पानंद भट्ट कटाक्ष करते कहते हैं कि अगर अधिकारी और नेता नियमित रूप से इस सुरंग के निर्माण की निगरानी करते तो यह हादसा नहीं होता। इसके साथ ही सुरंग में सही गुणवत्ता से काम होता। सैंद गांव निवासी नवीन बिजल्वाण कहते हैं कि पिछले दिनों में जो देखने को मिल रहा है।

दूर से देख रहे हैं ग्रामीण

सिलक्यारा सुरंग के ठीक सामने यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क है। जिसके किनारे बैठकर ग्रामीण सुरंग में हो रही आवाजाही और सुरंग के बाहर की गतिविधि को देख रहे हैं। इन्हीं ग्रामीणों में शामिल हैं सिलक्यारा से तीन किलोमीटर दूर महरगांव निवासी कृषक पुष्पानंद भट्ट। पुष्पानंद भट्ट कहते हैं कि इस सुरंग निर्माण को लेकर उन्हें बड़ी उम्मीद है। यह सुरंग गंगा घाटी और यमुना घाटी के बीच की दूरी कम करेगी।

सरकार ने झोंकी पूरी ताकत

सरकार ने श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। एक ओर देश के नामी विशेषज्ञों के दल को बुलाकर अत्याधुनिक मशीनों से ड्रिलिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर सुरंग में फंसे श्रमिकों का मनोबल बनाए रखने के लिए लगातार उनसे बातचीत की जा रही है। पुलिस प्रशासन सुरंग में फंसे मजदूरों से हर घंटे संपर्क स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जितना ज्यादा हो सके सुरंग में फंसे श्रमिकों से संवाद बनाए रहें। सरकार उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने के हर संभव प्रयास कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

सहारा श्री का अंतिम संस्कार, पोते ने दी मुखाग्नि

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लखनऊ। सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत राय की अंतिम यात्रा सहारा शहर से निकली तो बड़ी संख्या में राजनेता, फिल्मी हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे। उनके पार्थिव शहर को भैंसाकुंड लाया गया जहां उनके पोते हिमांक ने मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राज बब्बर, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी सहित फिल्म जगत की हस्तियां भी मौजूद रहे।

कुलगाम-बारामूला में आतंकियों व सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के जिला कुलगाम के सामनु गांव में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार ये मुठभेड़ दोपहर में शुरू हुई है। इसके साथ ही सुरक्षाबलों ने आतंकियों को चारों तरफ से घेर लिया है और लगातार दोनों ओर से भीषण गोलीबारी हो रही है। मुठभेड़ में सेना ने दो आतंकवादी मार गिराए हैं।

पलूशन को रोकने के लिए एसटीएफ का गठन

कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार दर्ज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली हांफ रही है। कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। दिल्लीवालों को आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ, समेत कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पलूशन की मार झेल रही दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पांस ऐक्शन प्लान के चारों चरण लागू कर दिए गए हैं। ऐसे में गुरुवार को दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को रोकने के लिए विशेष कार्य बल का गठन किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इसका ऐलान करते हुए बताया कि एसटीएफ का क्या काम होगा।

गोपाल राय ने कहा, अभी जो स्थिति दिख रही है उससे यह संभावना बन रही है कि अगले दो-तीन दिनों तक एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में ही रहने वाला है। अगले दो दिनों तक हवा की स्पीड कम रहेगी। इसे देखते हुए हमने एक 6 सदस्यीय विशेष कार्य बल का गठन किया है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने बताया, जो 6 सदस्यीय एसटीएफ का गठन किया गया है इसकी जिम्मेदारी है कि रोजाना सभी विभागों को सुबह और शाम ये रिपोर्ट देंगे। कहीं कोई दिक्कत आ रही है तो उसका ये समाधान करेंगे और रोजाना सरकार को भी रिपोर्ट देंगे। दिनोंदिन जहरीली होती जा रही हवा और बढ़ते पलूशन के चलते दिल्ली में ग्रैप के चारों चरण तक के सारे नियम पहले से ही लागू हैं। गुरुवार को एसटीएफ के गठन के साथ दिल्लीवालों पर कोई अतिरिक्त पाबंदियां नहीं लगाई गई हैं। जो नियम पहले से लागू हैं उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है लेकिन उन नियमों पर निगरानी रखने के लिए और उनके सख्ती से पालन के लिए अब एसटीएफ का गठन किया गया है।

क्या होगा एसटीएफ का काम?

गौरतलब है कि दिल्ली में ग्रैप के चारों चरण के नियम लागू हैं। इसके तहत दिल्लीवालों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। गोपाल राय ने एसटीएफ के गठन का ऐलान करते हुए कहा, जो ग्रैप के नियम हैं उनको जमीनी स्तर पर लागू करने और नियमों पर निगरानी को और तेज करने के लिए एसटीएफ का गठन किया गया है।

कॉलेजियम के फैसले के बचाव में सीजेआई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने विक्टोरिया गौरी को मद्रास हाई कोर्ट की जज नियुक्त करने के सुप्रीम कोर्ट कलेजियम के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि केवल वकील के रूप में किसी के विचारों के आधार पर उसकी आलोचना नहीं की जानी चाहिए। विक्टोरिया गौरी मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ के समक्ष केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करती थीं।

भाजपा से जुड़े होने के आरोपों के बाद जज के रूप में उनकी नियुक्ति विवादों में घिर गई थी। हाई कोर्ट बार के कुछ बार सदस्यों ने सीजेआइ को पत्र लिखकर गौरी को अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश को वापस लेने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विक्टोरिया गौरी ने ईसाइयों और मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए थे।

हार्वर्ड ला स्कूल सेंटर में कानूनी पेशे पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेआइ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कलेजियम ने उनके कथित भाषण की प्रकृति को बहुत ध्यान से देखा और केंद्र सहित सभी पक्षकारों के साथ इस पर विचार-विमर्श किया गया। सीजेआइ ने कहा, हमने इसे बहुत ध्यान से देखा। न्यायाधीश द्वारा कथित तौर पर दिए गए भाषण की प्रकृति को बहुत ध्यान से देखा गया। इसको लेकर एक प्रक्रिया है कि हम हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से रिपोर्ट मंगाते हैं और फिर वह रिपोर्ट सरकार के साथ साझा की जाती है।

बचाव

- विक्टोरिया गौरी को जज बनाने का किया बचाव

वकील ग्राहकों को नहीं चुनते

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकील अपने करियर के दौरान विभिन्न वर्गों के मुवक्किलों की ओर से पेश होते हैं। वकील अपने ग्राहकों को नहीं चुनते हैं। एक वकील के रूप में, जो कोई भी कानूनी सहायता की तलाश में आपके पास आता है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

यह युद्ध का युग नहीं हैः रक्षामंत्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत की पृष्ठभूमि में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत वैश्विक मानदंडों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय जल में नौवहन, हवाई उड़ान और निर्बाध वैध वाणिज्य की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है।

जकार्ता में 10 देशों वाले

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जकार्ता में आसियान को किया संबोधित

आसियान और उसके कुछ संवाद साझेदारों की बैठक को संबोधित करते हुए सिंह ने दुनिया में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति के महत्व को भी रेखांकित किया। रक्षा मंत्री ने दुनिया भर में भारत के संदेश की पुष्टि की, कि यह युद्ध का युग नहीं है, और हम बनाम वे मानसिकता को छोड़ने की अनिवार्यता के बारे में बात की। वियतनाम, फिलीपींस और ब्रूनेई सहित क्षेत्र के कई देशों के पास प्रतिदावे हैं।

आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस में रक्षा मंत्री ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बताया और इससे निपटने के लिए ठोस प्रयासों का आह्वान किया।

न्यूज डायरी

इजरायली सेना ने हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख के आवास पर किया हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। इजरायल ने ठान लिया है कि जब तक वह हमास के आतंकियों को जड़ से खत्म नहीं कर देता तब तक वह रुकेगा नहीं। कुछ यही हाल देखने को भी मिल रहा है। इजरायल की सेना गाजा में घुसकर जमीनी स्तर पर हमास के आतंकियों को मौत के घाट उतार रही है। इजरायली सेना गाजा में घुसकर हमास आतंकियों के लिए छापेमारी कर रही है। इस बीच इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा है कि आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी में हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानियेह के घर पर हमला किया। आईडीएफ ने कहा कि इस घर का इस्तेमाल इजरायल के खिलाफ आतंकवादी हमलों को निर्देशित करने के लिए आतंकवादी बुनियादी ढांचे और हमास के वरिष्ठ नेताओं के लिए बैठक स्थल के रूप में किया गया था। सोशल मीडिया एक्स पर आईडीएफ ने पोस्ट कर कहा, आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हनीयेह के आवास पर हमला किया। आवास का उपयोग आतंकवादी बुनियादी ढांचे और हमास के वरिष्ठ नेताओं के लिए इजरायल के खिलाफ आतंकवादी हमलों को निर्देशित करने के लिए एक बैठक के रूप में किया गया था। इससे पहले इजरायल रक्षा बलों ने गाजा के अल शिफा अस्पताल के अंदर हथियार दिखाते हुए एक वीडियो साझा किया था।

पुतिन के गढ़ पर ड्रैगन ने ठोका दावा! भारत की शरण में दोस्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। भारत के अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का चीनी नाम रखने के बाद अब चीन का दुस्साहस बढ़ता ही जा रहा है। चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने साल 2023 की शुरुआत में आदेश दिया था कि चीन ने सोवियत जमाने में जिन इलाकों को गंवा दिया, उनका पुराना चीनी नाम ही इस्ष्तेमाल किया जाए। यह इलाका अब रूस का सुदूर पूर्व क्षेत्र कहा जाता है। इसी इलाके में व्लादिवोस्तोक शहर स्थित है जो रूस का प्रशांत महासागर में प्रवेश द्वार है। चीन के इस कदम को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वह भी तब जब यूक्रेन युद्ध के बाद रूस एक तरह से चीन का जूनियर पार्टनर बन गया है और अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए पुतिन ने शी जिनपिंग से गुहार लगा रहे हैं। रूस का व्लादिवोस्तोक शहर रूसी नौसेना के प्रशांत बेड़े का मुख्यालय है। चीन ने इसका नाम अब हैशेनवेई, सखालिन का द्वीप का नाम कूयेदावो कर दिया है। इसके बाद अगस्त महीने में चीन के मंत्रालय ने एक नक्शा जारी किया जिसमें रूस के विवादित इलाके बोलशोई यूस्सूरियस्की द्वीप को चीन की सीमा के अंदर दिखा दिया। चीन की इस चाल के बाद कई पश्चिमी विश्लेषकों ने यह कहना शुरू कर दिया कि रूसी गणराज्य को कई टुकड़ों में बांट दिया जाए।

पाक के बलूचिस्तान में हथियारबंद लोगों ने किया चेकपोस्ट पर हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर हमला करने के बाद भारी हथियारों से लैस लोगों ने तीन पुलिस कॉस्टेबलों को बंधक बना लिया है। यह घटना तुरबत में पुलिस चौकी पर हुई। इस घटना की जानकारी अधिकारियों ने दी। हथियारबंद लोगों ने तीन कॉस्टेबलों को बंधक बनाने के अलावा उनकी आधिकारिक सबमशीन बंदूकें और गोला–बारूद भी छीन लिया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 6–8 भारी हथियारबंद लोग थे जिन्होंने चेकपोस्ट पर हमला किया। हालांकि, किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। अधिकारियों ने कहा, इस बीच, क्वेटा में, सुरक्षा बलों ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया, जो प्रवेश चौकी पर रुके बिना और अपनी पहचान साबित किए बिना जबरन छावनी क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। उन्होंने कहा कि एस्सा खान के रूप में पहचाने जाने वाले संदिग्ध ने एक प्रवेश बिंदु पर सुरक्षा चौकी पर पहचान के लिए रुके बिना क्वेटा छावनी क्षेत्र में एक सुजुकी वैन चलाई। मुख्य द्वार से गुजरने के बाद, सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखा गया और बाद में उन्हें वाहन के साथ छावनी क्षेत्र के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया। अफगानिस्तान और ईरान की सीमा से सटा बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है और यह अक्सर टीटीपी और इस्लामिक स्टेट समूह सहित आतंकवादी समूहों द्वारा प्रभावित होता रहा है।

धर्मनिरपेक्षता का मतलब सभी धर्मों का समान सम्मान है: जयशंकर

हम अधिक भारतीय और अधिक प्रामाणिक हैं

चर्चा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत के लिए धर्मनिरपेक्षता का मतलब गैर–धार्मिक होना नहीं है, बल्कि सभी धर्मों का समान सम्मान करना है, लेकिन अतीत की तुष्टीकरण सरकारी नीतियों ने देश के सबसे बड़े धर्म को ऐसा महसूस कराया कि उसे समानता के नाम पर आत्म–निंदा करनी होगी।

लंदन में रॉयल ओवर–सीज लीग में हाउ अ बिलियन पीपल सी द वर्ल्ड शीर्षक से एक बातचीत के दौरान, जयशंकर से पूछा गया कि क्या नेहरू युग के बाद से भारत भाजपा सरकार के नेतृत्व में कम उदार और अधिक हिंदू बहुसंख्यकवादी बन गया है? यह कहते हुए कि भारत निश्चित रूप से बदल गया है, जयशंकर ने स्पष्ट कहा कि परिवर्तन का मतलब यह नहीं है कि भारत कम उदार हो गया है, बल्कि अपनी मान्यताओं को व्यक्त करने के बारे में अधिक प्रामाणिक है।

"क्या भारत नेहरूवादी युग से बदल गया है? जयशंकर ने पत्रकार–लेखक लियोनेल बार्बर के एक सवाल के जवाब में कहा, बिल्कुल, क्योंकि उस युग की एक धारणा जिसने विदेश में राजनीति की सोच और उसके प्रक्षेपण को बहुत हद तक निर्देशित किया, वह यह थी कि हम भारत में धर्मनिरपेक्षता को कैसे परिभाषित करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिए धर्मनिरपेक्षता का मतलब गैर–धार्मिक होना नहीं हैय हमारे लिए धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सभी धर्मों का समान सम्मान है। अब, वास्तव में राजनीति में जो हुआ वह सभी धर्मों के लिए समान सम्मान के साथ शुरू हुआ था, हम वास्तव में अल्पसंख्यकों को बढ़ावा देने की एक तरह की राजनीति में शामिल हो गए। मुझे लगता है कि समय के साथ इसने प्रतिक्रिया पैदा कर दी।

जयशंकर ने भारतीय राजनीतिक बहस में तुष्टिकरण को एक बहुत शक्तिशाली शब्द के रूप में संदर्भित किया, जिसने राजनीति को दिशा दी। उन्होंने कहा, अधिक से अधिक लोगों को लगने लगा कि एक तरह से, सभी धर्मों की समानता के नाम पर, वास्तव में, सबसे बड़े धर्म को आत्म–निंदा करना होगा और खुद को कम महत्व देना होगा। उस समुदाय के एक बड़े हिस्से को लगा कि यह उचित नहीं है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में देखे गए राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन आंशिक रूप से अनुचितता की इस भावना के प्रति ष्बौद्धिक और राजनीतिक स्तर परष् प्रतिक्रिया हैं। विशेष रूप से यह पूछे जाने पर कि क्या परिणामस्वरूप भारत में सहिष्णुता कम हो गई है, उन्होंने जवाब दियारू मुझे ऐसा नहीं लगताय मैं इसके विपरीत सोचता हूं। मुझे लगता है कि आज लोग अपनी मान्यताओं, अपनी परंपराओं और अपनी संस्कृति के बारे में कम पाखंडी हैं। हम अधिक भारतीय हैं, अधिक प्रामाणिक हैं। हम आज या तो वैश्विक दर्शकों के सामने पक्षपात नहीं कर रहे हैं या वास्तव में किसी प्रकार के वामपंथी उदारवादी निर्माण को जीने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके बारे में बहुत से भारतीयों को लगता है कि हम नहीं हैं।

पाकिस्तान के आगे नहीं झुका तालिबान तो बौखलाए जनरल मुनीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने जिस सांप को अपने पड़ोस में भारत के खिलाफ पाला था, अब वही उसे डस रहा है। जी हां, अफगानिस्तान में पाकिस्तान की मदद से अशरफ गनी सरकार को हटाकर सत्ता में आए तालिबान आतंकियों ने अब अपने आका के आगे झुकने से इंकार कर दिया है। पाकिस्तानी सेना बार–बार तालिबान से गुहार लगा रही है कि वह तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान यानि टीटीपी आतंकियों के खिलाफ ऐक्शन ले। ये टीटीपी आतंकी पाकिस्तानी सेना के खिलाफ अक्सर हमले करते रहते हैं। तालिबान को झुकाने के लिए पाकिस्तान ने लाखों की तादाद में देश में मौजूद अफगान शरणार्थियों को देश से बाहर जाने के लिए कह दिया। इससे भी तालिबानी नहीं झुके तो अब पाकिस्तानी सेना हमला करने के विकल्प विचार करने की धमकी दे रही है।

यही नहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने तालिबान सरकार के साथ अफगानिस्तान में मौजूद टीटीपी के ठिकानों की सूची साझा की है। पाकिस्तान ने कहा है कि हम अपेक्षा करते हैं कि तालिबान सरकार इनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। वहीं तालिबान ने साफ कर दिया है कि टीटीपी की समस्या उनके सत्ता में आने से पहले है।

शी जिनपिंग तानाशाह हैः बाइडन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग फिलहाल अमेरिकी दौरे पर हैं, उनके इस दौरे का काफी समय से इंतजार किया जा रहा था। अमेरिका पहुंचने के बाद शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बात हुई लेकिन बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीनी राष्ट्रपति को तानाशाह बता दिया। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका में एक अलग तरह की सरकार है और चीन में स्थितियां अलग हैं। चीन में जिस तरह का शासन है, उसके हिसाब से जिनपिंग एक तानाशाह ही हैं। वह कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले देश के शासक हैं।

ऑस्ट्रेलिया में सिख रेस्तरां मालिक बना नस्लवाद का शिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

घर जाओ, भारतीय...,तीन महीनों से हैं परेशान

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में 15 साल से रह रहे एक सिख रेस्तरां मालिक को उस समय झटका लगा, जब उन्हें लगातार कई दिनों तक अपनी कार पर मलमूत्र लगा हुआ मिला और नस्लवादी पत्र मिले, जिनमें उन्हें ऑस्ट्रेलिया से जाने के लिए कहा गया था। धमकी में लिखा गया था, घर जाओ, भारतीय। तस्मानिया के होबार्ट में दावत – द इनविटेशन रेस्तरां चलाने वाले जरनैल जिम्मी सिंह ने कहा कि उन्हें पिछले दो, तीन महीनों से लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सिंह ने बताया, जब बात आपके घर की आती है तो यह मानसिक रूप से बहुत तनावपूर्ण होता है और विशेष रूप से उस पर आपका नाम होने से यह बहुत अधिक मानसिक तनाव होता है। कुछ तो किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, सिंह ने पहले यह मान लिया कि पत्र किसी युवा व्यक्ति द्वारा लिखा गया है और उन्होंने इसे नजरअंदाज करने की पूरी कोशिश की। पहली घटना को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि लगातार चार या पांच दिनों तक उनकी कार के दरवाजे के हैंडल पर कुत्ते का मल लगा हुआ था, इसके बाद उनके रास्ते में एक नस्लवादी पत्र लिखा हुआ था, जिसमें कहा गया था कि श्घर जाओ, भारतीयश। हालांकि घटनाएं पुलिस के संज्ञान में लाई गईं और उनकी संपत्ति पर वीडियो कैमरे लगाए गए, लेकिन द्वेषपूर्ण पत्र आते रहे। उन्होंने एबीसी न्यूज को बताया कि अगला पत्र लगभग एक महीने बाद मिला, और यह पहले से भी अधिक आक्रामक था – जिसमें आप भारत वापस जा सकते हैं जैसी टिप्पणियां शामिल थीं। कार्यस्थल के बाहर उनकी कार पर भी खरोंचें आईं।

सिंह ने अफसोस जताया, इस तरह की चीज को रोकना होगा। निश्चित रूप से, हमें बदलाव की जरूरत है। तस्मानिया पुलिस कमांडर जेसन एल्मर ने एक बयान में कहा कि घटनाओं की सूचना पुलिस को दी गई है और जांच की जा रही है।

महिला के 2 गर्भाशय में पल रहे 2 जुड़वा बच्चे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैलिफोर्निया। 32 साल की केल्सी हैचर इन दिनों काफी खुश हैं और हैरान भी हैं। खुश इसलिए हैं क्योंकि वह जुड़वा बच्चों की मां बनने वाली हैं और उन्हें हैरानी यह जानकर है कि वह जिन जुड़वा बच्चों की मां बनने वाली है, वो उनके दो गर्भाश्य में हैं। उनके पति कालेब की मानें तो इस साल की शुरुआत में उन्हें यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि केल्सी गर्भवती थी। केल्सी पहले से ही तीन बच्चों की मां है। केल्सी हैचर की आठ सप्ताह बाद आई अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट ने हैरानी में डाल दिया था कि वह दो बच्चों की उम्मीद कर रही थी। इस पूरी स्थिति पर दुनियाभर के विशेषज्ञ चर्चा कर रहे हैं और इसे एक असाधारण स्थिति करार दे रहे हैं। हैचर और उनके पति यह जानकर स्तब्ध थे दोनों बच्चे अपने–अपने गर्भाशय में हैं। बताया जा रहा है कि हैचर का जन्म एक असाधारण स्थिति के साथ हुआ था।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सरकार की योजनाओं से सभी को लाभान्वित करने के निर्देश

बैठक

विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल संचालन को लेकर केंद्रीय संयुक्त सचिव ने ली अधिकारियों की बैठक

संवाददाता

चमोली। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, परियोजनाओं, नीतियों तथा उपलब्धियों को प्रत्येक गांव एवं वार्ड स्तर तक पहुंचाने के लिए 23 नवंबर से 26 जनवरी, 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आउटरीच कार्यक्रम चलाए जाएंगे। विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों को लेकर गुरूवार को केंद्रीय संयुक्त सचिव राजेश सिंह ने जनपद चमोली में समस्त अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देशित किया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का सफल संचालन करते हुए वंचित लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाए।

केन्द्रीय संयुक्त सचिव ने कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनपद में आईईसी मोबाइल वैन के संचालन हेतु रूट चार्ट तैयार किया जाए। ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में कैंप आयोजित कर योजनाओं से वंचित पात्र लोगों को चिन्हित करें और मौके पर ही पंजीकरण के साथ उनकों लाभान्वित किया जाए। इस अभियान के सफल संचालन एवं नियमित मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक स्तर पर समिति गठित की जाए। प्रत्येक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम की फोटो, वीडियो के साथ इसकी पूरी रिपोर्ट पोर्टल पर भी अपलोड की जाए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मुख्य विकास अधिकारी को प्रत्येक स्तर पर निगरानी समिति गठित करने और संकल्प यात्रा के दौरान स्वास्थ्य कैंप एवं बहुउद्देशीय शिविर भी आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी रेखीय विभागों को निर्देशित किया कि विभाग के माध्यम से संचालित योजनाओं से वंचित पात्र लोगों को चिन्हित किया जाए और मौके पर ही छूटे हुए पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ एलएन मिश्र ने बताया कि ग्राम पंचायत, ब्लाक एवं शहरी क्षेत्रों में निगरानी समितियों का गठन कर लिया गया है। जनपद की सभी 610 ग्राम पंचायतों एवं प्रत्येक नगर निकाय में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आईईसी वैन के संचालन हेतु रूट चार्ट तैयार किया जा रहा है।

बैठक में जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, सीडीओ डॉ एलएन मिश्र, जिला विकास अधिकारी केके पंत, डीएसटीओ विनय जोशी, सभी रेखीय विभागों के अधिकारियों सहित ब्लाक एवं नगर निकायों के अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज डायरी

आज किया जाएगा बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

संवाददाता रुद्रप्रयाग। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में विकास खंडवार बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। आयोजित शिविरों में नॉन सीबीएस धारकों के सीबीएस खाते प्राप्त करने, कृत्रिम अंगध्सहायक उपकरणों की आवश्यकता, यूडीआईडी कार्ड बनाए जाने व दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए समाज कल्याण अधिकारी हर्षवर्धन भट्ट ने अवगत कराया कि शिविर प्रातः 11 बजे से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विकास खंड ऊखीमठ के अंतर्गत आज राजकीय इंटर कॉलेज चंद्रनगर में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। 29 नवंबर को राजकीय इंटर कॉलेज कैलाश बांगर, 01 दिसंबर को राजकीय इंटर कॉलेज गुप्तकाशी व 07 दिसम्बर को राजकीय इंटर कॉलेज त्रियुगीनारायण में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

25 साल पहले किया पहला लिवर प्रत्यारोपण

संवाददाता देहरादून। 1998 में अपोलो अस्पताल के डॉक्टरों ने भारत में पहली बार बच्चों का लिवर प्रत्यारोपण करने की पहल शुरू की। तब डॉक्टरों ने एक 20 महीने के बच्चे का सफल प्रत्यारोपण किया जो आज खुद एक डॉक्टर बनकर मरीजों की सेवा कर रहा है। इस सफलता ने डॉक्टरों की हौसलाफजाई की जिसका परिणाम है कि अब 25 साल बाद अपोलो अस्पताल के डॉक्टर न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के 50 से भी ज्यादा देशों के कुल 4300 मरीजों का सफल लिवर प्रत्यारोपण कर चुके हैं जिनमें 515 बच्चे हैं। इन सभी के लिए अपोलो के डॉक्टर किसी संजीवनी से कम भी नहीं है जिन्होंने अपने अनुभव और ज्ञान से इन्हें नया जीवन दिया।

सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड ने ईवी चार्जिंग प्वाइंट क्षेत्र में प्रवेश किया

संवाददाता देहरादून। बोर्ड ने सदस्यों के अनुमोदन के अधीन, अन्य प्रमोटर और नॉन–प्रमोटर समूह संस्थाओं के बीच एफआईआई इन्वेस्टर्स को प्रेफरेन्शल वारंट्स इश्यू करने की मंजूरी दे दी है। भारत की प्रमुख ईवी चार्जर मैन्युफैक्चरर सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड गर्व से अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सर्वोटेक ईवी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के निर्माण की घोषणा की। 20 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, कंपनी विभिन्न प्रसिद्ध ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए अग्रणी ईवी चार्जर तथा ईवी चार्जिंग स्टेशन प्रोवाइडर रही है और अब सर्वोटेक पावर सिस्टम्स अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की स्थापना करके ईवी चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर बिजनेस में प्रवेश कर रहा है।

तकनीकि जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है कृत्रिम मेधा

संवाददाता रुद्रप्रयाग। 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रमेश पहाड़ी की अध्यक्षता में नगर पालिका सभागार में '''कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में मीडिया''' विषय पर गोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रमेश पहाड़ी ने जनपद के समस्त प्रिंट व इलैक्ट्रोनिक प्रेस प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर '''कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में मीडिया''' विषय पर आयोजित गोष्ठी के दौरान वरिष्ठ पत्रकार रमेश पहाड़ी ने कहा कि बदलते समय के साथ तकनीकी का हमारे जीवन पर लगातार प्रभाव बढ़ता जा रहा है। कृत्रिम मेधा इसका जीवंत उदाहरण है कि कैसे तकनीकि जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। खासतौर पर मीडिया एवं प्रेस इससे सर्वाधिक प्रभावित हो रहे हैं, घंटों के कार्य कृत्रिम मेधा की मदद से अब मिनटों में पूरे हो रहे हैं। बड़े–बड़े आर्टिकल हों या वीडियो एडिटिंग का कार्य आज एक क्लिक पर संपन्न हो रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मी प्रसाद डिमरी ने कहा कि कृत्रिम मेधा की क्षमताएं हमारे लिए जितनी सुविधाजनक है उतनी ही खतरनाक भी। इसलिए सरकार सहित तकनीकि से जुड़े सभी संस्थानों को इसके उपयोग के लिए सख्त मानक एवं गाइडलाइन तैयार करनी चाहिए, ताकि इस वैज्ञानिक तकनीक का दुरुप्रयोग न हो सके।

पत्रकार गोष्ठी का किया गया आयोजन

संवाददाता चमोली। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर गुरुवार को जिला सूचना विभाग की ओर पत्रकार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में मीडिया विषय पर चर्चा की गई। गोष्ठी में पत्रकार बंधु की ओर से कृत्रिम मेधा से मीडियाकर्मियों को मिली सुविधा और चुनौतियों के विषय में चर्चा की गई। गोष्ठी में चर्चा के दौरान वक्ताओं ने कृत्रिम मेधा का उपयोग संवेदनशीलता और तथ्यों के साथ करने की बात पर जोर दिया। सूचना विभाग कार्यालय चमोली में आयोजित गोष्ठी का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार क्रांति भट्ट द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि जहां कृत्रिम मेघा की मदद से बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है। वहीं इस तकनीकी विधा में संवेदनशीलता न होने की चुनौती बनी हुई है। वहीं तेजी से समाचारों के प्रसारण की चुनौती से पार पाने के लिए इस मेधा का उपयोग करना कई बार तथ्य विहीन सूचनाओं के प्रसारण की चुनौती बनी हुई है।

निराश्रित पशुओं के संरक्षण के लिए गोसदन बनाने के निर्देश

निराश्रित पशुओं का विशेष ध्यान रखा जाएः अध्यक्ष गौसेवा आयोग

संवाददाता रुद्रप्रयाग। एकदिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे उत्तराखंड राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र प्रसाद अंथवाल ने विकास भवन सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की तथा जनपद में निराश्रित गौ–पशुओं के लिए बनाए जा रहे गोसदन एवं की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली।

बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौ–सेवा ही भगवान की सेवा है। वह व्यक्ति बहुत ही भाग्यशाली है जिसे गो सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि सनातन धर्म में गाय की सेवा से मोक्ष प्राप्त होता है इसलिए सभी को संपूर्ण सेवा भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए निराश्रित गौ की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने पशुपालन विभाग, नगर पालिका व नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद में निराश्रित गौ एवं निराश्रित पशुओं के संरक्षण के लिए गौ सदन बनाए जाने हेतु स्थान चिन्हित करने के लिए सर्वे कराने के निर्देश दिए तथा जनपद के सभी स्थानों में निराश्रित पशुओं को चिन्हित करते हुए उनके लिए छह माह के भीतर सभी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी निराश्रित गाय यदि घायल हो जाती है तो उसके लिए उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए। इसके लिए पशु एंबुलेंस की भी व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने कहा कि जो भी निराश्रित गाय का निधन होता है तो उचित ढंग से उसे दफनाने की कार्यवाही की जाए तथा इसकी वीडियो व फोटोग्राफी कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने गौ सेवा से जुड़े सभी प्रतिनिधियों को भी अपने–अपने क्षेत्रों में निराश्रित पशुओं पर विशेष निगरानी रखने की अपील की है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा किसी पशु के साथ किसी भी तरह की पशु क्रूरता की जाती है तो उसके विरुद्ध पशु–क्रूरता अधिनियम के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

डीएम ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना पर की बैठक

संवाददाता चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के संबंध में जिला स्तरीय समिति की बैठक ली। जिलाधिकारी ने कहा कि उज्जवला योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद में सभी पात्र लोगों से आवेदन लेकर शीघ्र उज्जवला योजना से आच्छादित किया जाए। गैस एजेंसियों को अभी तक जितने भी आवेदन प्राप्त हुए है, उनका सत्यापन कराते हुए पात्र लोगों को गैस कनेक्शन वितरण किया जाए। योजना का प्रचार प्रसार करें और सभी पात्र लोगों को योजना से लाभान्वित किया जाए। जिला पूर्ति अधिकारी जसवंत कण्डारी ने बताया कि पीएम उज्जवला योजना के तहत पूरे देश में 75 लाख गैस कनेक्शन देने का लक्ष्य है। पीएम उज्जवला योजना के तहत जनपद में अभी तक 12268 लाभार्थियों को कनेक्शन वितरित किए गए है।

अलर्ट मेसेज मिलने के बाद हंगामा

सवाल है कि अगर ये अलर्ट मेसेज फॉल्स अलार्म का हिस्सा हैं तो ऐसा कैसे हुआ कि सारे के सारे मेसेज विपक्षी दलों के नेताओं (और कुछ सत्ता विरोधी माने जाने वाले पत्रकारों) के ही फोन पर आए। दो साल पहले सामने आए पेगासस केस से जुड़ी यादों ने भी आशंकाओं को मजबूती देने का काम किया।

अनुज सनवाल।।

देश के कुछ प्रमुख विपक्षी नेताओं को उनका आईफोन हैक करने के प्रयासों से जुड़ा अलर्ट मेसेज मिलने के बाद जिस तरह का हंगामा मचा, वह अस्वाभाविक नहीं है। चूंकि मेसेज में सरकार प्रायोजित हमलावरों का जिक्र था, इसलिए मामला ज्यादा गंभीर माना गया। जब भी किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की ओर से विपक्षी नेताओं की निजता भंग करने का ऐसा मामला सामने आता है, तो स्वाभाविक ही सरकार से जवाब–तलब किया जाने लगता है। हालांकि यह साफ करना भी जरूरी है कि मौजूदा मामले में अभी बात सिर्फ संदेह की है। आईफोन पर ऐपल की ओर से भेजे गए ये मेसेज ऑटो जेनेरेटेड थे, जिनकी प्रामाणिकता को लेकर कंपनी भी आश्वस्त नहीं है। उसका कहना है कि इनमें से कुछ मेसेज फॉल्स अलार्म के भी हो सकते हैं। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं की आशंकाएं निराधार नहीं कही जा सकतीं। उनका सवाल है कि अगर ये अलर्ट मेसेज फॉल्स अलार्म का हिस्सा हैं तो ऐसा कैसे हुआ कि सारे के सारे मेसेज विपक्षी दलों के नेताओं (और कुछ सत्ता विरोधी माने जाने वाले पत्रकारों) के ही फोन पर आए। दो साल पहले सामने आए पेगासस केस से जुड़ी यादों ने भी आशंकाओं को मजबूती देने का काम किया। हालांकि उस केस में सरकार के खिलाफ कुछ साबित नहीं हुआ है।

ऐसे में जब विपक्षी नेताओं के फोन की हैकिंग का यह नया आरोप लगा तो उसे पूरी गंभीरता से लेने की जरूरत है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी के कुछ नेताओं ने इन आरोपों को लेकर जिस तरह से विपक्ष को ही घेरना शुरू किया, उसे जिम्मेदार और तर्कसंगत रवैया नहीं कहा जाएगा। यह सत्तारूढ़ पक्ष के लिए खास मददगार भी नहीं है। ध्यान रहे, यह कोई ऐसा मामला नहीं है जो विपक्षी दलों के इन नेताओं का निकाला हुआ हो। अलर्ट मेसेज एक फोन कंपनी की तरफ से आए, जिसे सार्वजनिक करके सरकार के संज्ञान में लाना उनका काम था। अच्छी बात इस मामले में यह रही कि सरकार इन आरोपों को पूरी गंभीरता से लेती दिख रही है। न केवल पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं बल्कि आईफोन कंपनी से भी जांच में शामिल होने को कहा गया है। सभी पक्षों के लिए जरूरी है कि निष्कर्ष निकालने की जल्दबाजी करने के बजाय मामले की बारीक और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित करने में सहयोग करें। यह न केवल विपक्षी दलों के नेताओं की प्राइवेसी से जुड़ा मामला है बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के सुचारू संचालन को भी बाधित कर सकता है। इसलिए इसमें किसी तरह के ढीले–ढाले या लापरवाही भरे रवैये की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जानी चाहिए।

कामना

अशोक वोहरा। हनुमान जी मुस्करा दिये और वहाँ से चले गए । राज महल से बाहर आकार वो एक ऊचे वृक्ष पर चढ़ गए और बाजार की तरफ देखने लगे। बाजार मे उनको सिंदूर की काफी सारे दुकाने दिखाई दी वो वह पाहुच गए ओए पूरी सेंदूर की बोरी उठाई और वह से किसी एकत स्थान पर चले गए वह हनुमान जी ने सिंदूर को अपने पूरे शरीर पर लगा लिया। हनुमान जी ने अपने पूरे शरीर पर सिन्दूर लगा लिया क्यूंकि वे भी अपने श्री राम की लम्बी आयु की कामना करते थे। तब से हनुमान जी रोज अपने पूरे शरीर पर सिन्दूर ग्रहण करने लगे और इसीलिए मंदिरो में हनुमान जी की मूरत सिन्दूरी रंग की होती है। ऐसे हालत मे हनुमान जी राज महल मे चले गए जहा भगवान श्री राम की सभा चल रही थी व्हा माता सीता और लक्ष्मण जी भी विराजमान थे।

धर्म-दर्शन

संपादकीय

असंभव को संभव

प्रशंसा करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था कि रियासतों की जटिल समस्या को केवल सरदार पटेल ही हल कर सकते थे। ग्रामीण भारत के किसान परिवार में पैदा हुए सरदार बल्लभभाई पटेल ने लंदन से बैरिस्टर की पढ़ाई कर अहमदाबाद में एक वकील के रूप में जनता की निःशुल्क कानूनी मदद किया। वे सिद्धांतप्रिय व्यक्ति थे। निर्णय लेने के मामले में अडिग रहते थे। संविधान सभा सदस्य के रूप में उनकी बहस में भविष्य के भारत की कल्पना दिखती है। उनके द्वारा लिखे गए पत्र, वक्तव्य और अनेक विषयों पर की गई टिप्पणी लोकतांत्रिक भारत के निर्माण प्रक्रिया को समझने का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। 562 छोटी–बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कर उन्होंने असंभव को संभव कर दिखाया। इसे स्वतंत्र भारत की महानतम घटना भी कहा जा सकता है जिसके कारण भारतीय भूखंड में राष्ट्रीय एकता का निर्माण हुआ। क्षेत्रीयता, स्थानीयता, अलगाववाद, चरमपंथ, आतंकवाद सहित अनेक ऐसे मुद्दे जिससे देश की एकता और अखंडता कमजोर हो रही है उसके समाधान का रास्ता सरदार पटेल के विचारों पर चलकर निकाला जा सकता है। उनका व्यक्तित्व और विचार आज भी मौजूं है। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद कश्मीर,जूनागढ़ और हैदराबाद को भारत में शामिल कर सरदार पटेल भारत के बिस्मार्क के रूप में बेहद लोकप्रिय हो गए।

पटेल की नीतिगत कुशलता, प्रतिबद्धता और अटूट धैर्य के कारण महात्मा गांधी ने उन्हे लौह पुरुष उपनाम से संबोधित किया। यह उपनाम सरदार पटेल को समग्रता से समझने की दृष्टि प्रदान करता है।

भारत की एकता–अखंडता

मणेन्द्र मिश्रा।।

स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी सेनानी सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती हर बार गांधी–नेहरू के संदर्भ में उनकी भूमिका के विमर्श को तेज कर देती है। जिससे सरदार पटेल के व्यक्तित्व को और अधिक जानने की जिज्ञासा पैदा होती है। पिछली सदी के उपनिवेशवादी देशों में अंग्रेजों के खिलाफ अहिंसक आंदोलन के कारण महात्मा गांधी पूरी दुनिया में चर्चित हुए। उनके द्वारा सुझाया गया सिविल नाफरमानी सिद्धांत बेहद लोकप्रिय हुआ। बापू के सविनय अवज्ञा को जनता के बीच फैलाव करने वाले सरदार पटेल प्रमुख व्यक्ति थे। पटेल की नीतिगत कुशलता, प्रतिबद्धता और अटूट धैर्य के कारण महात्मा गांधी ने उन्हे लौह पुरुष उपनाम से संबोधित किया। यह उपनाम सरदार पटेल को समग्रता से समझने की दृष्टि प्रदान करता है।

स्वतंत्रता पूर्व के किसान आंदोलन का सरदार पटेल से गहरा जुड़ाव रहा। अन्नदाता की समस्याओं के समाधान हेतु संघर्ष में वे सदैव तत्पर रहते थे। 1918 में गुजरात का खेड़ा डिविजन भयंकर सूखे के चपेट में था। वहाँ के किसानों की कर में छूट की मांग को अग्रेज स्वीकार नहीं कर रहे थे। ऐसे में सरदार पटेल के विशेष प्रयासों से गांधी जी सहित अन्य प्रमुख लोगों के सामूहिक नेतृत्व ने किसानों को वार्षिक

करों से राहत दिलाया। इसी प्रकार

1928 में गुजरात की प्रांतीय सरकार ने किसानों के लगान में तीस प्रतिशत की वृद्धि कर दी जिसके विरोध में सरदार पटेल के नेतृत्व में किसानों का आंदोलन सफल हुआ। ब्रिटिश हुकूमत ने इसे कुचलने के लिए कठोर दंडात्मक प्रयास किया लेकिन किसानों के मुखर विरोध के कारण उन्हे पीछे हटना पड़ा। जिसके फलस्वरूप अग्रेज सरकार के अधिकारी ब्लूमफील्ड और मैक्सवेल ने पूरे मामले की जांच कर लगान वृद्धि को छः प्रतिशत तक कम कराया। यह बारडोली किसान आंदोलन के रूप में जाना गया जिसमें शामिल महिलाओं ने बल्लभ भाई पटेल को सरदार की उपाधि से संबोधित किया।

स्वतंत्रता आंदोलन के आलोक में बारडोली सत्याग्रह को महात्मा गांधी ने स्वराज प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव की संज्ञा दिया। किसानों से जुड़े ऐसे अनेक उदाहरण इतिहास में भरे पड़े हैं जिनमें सरदार पटेल ने ब्रिटिश सरकार की दमनकारी कार्यवाहियों को सहर्ष अंगीकार करते हुए किसानों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ी। वे किसानों के सच्चे हमदर्द थे। आजाद भारत में सरदार पटेल के योगदान को देखते हुए भारत सरकार के पहले मंत्रिमंडल में उन्हे उप प्रधानमंत्री, गृह, सूचना और रियासत मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली। गृह मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की एकता–अखंडता के लिए ऐसे सपनें को यथार्थ के धरातल पर उतारा जिसकी कल्पना करना तत्कालीन समाज में संभव नहीं दिख रहा था। इसी क्रम में उन्होंने गृह मंत्रालय के अधीन आने वाली भारतीय नागरिक सेवाओं का भारतीयकरण कर भारतीय प्रशासनिक सेवाएं कर दिया। जिससे भारतीय नौकरशाही अग्रेजों की गुलामी मानसिकता से मुक्त हो सके।

1947 में भारत के स्वतंत्र होने पर सबसे बड़ी समस्या रियासतों के एकीकरण की थी। सरदार पटेल के व्यक्तित्व निर्माण में परतंत्रता के प्रति गहरा आक्रोश और स्वतंत्र होने की प्रबल चाह थी। यह पीड़ा गृह मंत्री होने पर मुखर रूप में दिखी जिसका परिणाम राष्ट्रीय भावना को मजबूत करने में दिखा।

अष्टयोग-5050

5		2	4	1		
	33		23		33	6
3	7	6			4	5
	42		29		25	
		5		3	2	1
6	37	7	38		33	
	2		4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5049 का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	30	7	31	4	34	2
1	5	4	3	2	7	6
5	28	6	31	6	39	3
4	2	1	6	3	5	7
3	30	5	32	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

दवा का धंधा

मोहन। दुनिया में नकली या घटिया दवाओं का कारोबार करीब 1 फीसदी है, पर भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में यह लगभग 13 फीसदी या इससे ज्यादा है। यहां का हाल जानने पर साफ हो जाता है कि दुनिया से 13 गुना ज्यादा मिलावट यहीं क्यों है। पिछले हफ्ते आगरा की एक फैक्ट्री से दवाइयों के जब्त किए गए नमूनों की रिपोर्ट आई। दो फैक्ट्रियों से लिए 30 सैंपलों में से 24 फेल निकले। सरकारी एजेंसियों के मुताबिक, यहां से नकली दवाएं भारत सहित पाकिस्तान और बांग्लादेश तक भेजी जाती थीं। पिछले हफ्ते ही पुलिस ने गाजियाबाद में नकली दवाओं का एक बड़ा रैकेट पकड़ा। वैसे, यह कोई नया मामला नहीं है। कुछ समय पहले भी जांबिया और उज्बेकिस्तान में भारत में बने कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की घटना सुर्खियां बनी थीं। नकली दवाओं को लेकर धरपकड़ भी चलती रहती है, लेकिन इनका धंधा बढ़ता ही जा रहा है। भारत में स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च में 50 से 80 फीसदी हिस्सा दवाओं का होता है। 142 करोड़ आबादी में हर साल करोड़ों लोग बीमार होते है। सिर्फ कैंसर के 14.6 लाख मामले 2022 में आए, जो इस साल 15. 3 लाख तक पहुंच सकते हैं।

शादी के पहले वह सैफ के साथ 5 साल साथ रही थीं करीना कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान और सैफ अली खान की शादी को लंबा समय बीत चुका है। 16 अक्टूबर, 2012 को इन्होंने शादी की थी।लेकिन शादी से पहले यह दोनों लगभग पांच साल तक साथ रहे थे। करीना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने उन रूल्स को भी शेयर किया है, जिसका वह अपने बेटे तैमूर और जेह का परवरिश करते समय फॉलो करती हैं। करीना ने खुलासा किया कि उन्होंने और सैफ ने एक–दूसरे से शादी करने का फैसला सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वो एक साथ बच्चे पैदा करना चाहते थे, नहीं तो वो बिना शादी के पांच साल तक खुशी–खुशी साथ रह रहे थे। करीना ने कहा कहा, अब आपके शादी करने की वजह यह हो गई है कि आप एक बच्चा पैदा करना चाहते हैं, है ना? मेरा मतलब है अगर ऐसा न हो तो आप बस एक साथ रह सकते हैं। सैफ और मैं पांच साल तक एक साथ रहे, इसलिए जब हमने अगला कदम उठाया, तो ऐसा इसलिए था क्योंकि हम बच्चे पैदा करना चाहते थे। करीना और सैफ ने अपनी शादी के चार साल बाद 2016 में अपने पहले बच्चे, बेटे तैमूर का स्वागत किया था। उनका दूसरा बेटा जेह का जन्म 2021 में हुआ था। श्जब वी मेटश स्टार को लगता है कि परवरिश का कोई सही या गलत तरीका नहीं है। उनका कहना है कि वह अपने बच्चों के सामने अपना जीवन पूरी तरह से जीने में विश्वास करती हैं ताकि वो भी उनसे यही सीखें।

पुष्पा के बाद अल्लू अर्जुन की फीस में 17 गुना का इजाफा

तेलुगू फिल्म श्पुष्पाश का दूसरा पार्ट जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगा। खबरों के मुताबिक, इसे 15 अगस्त, 2024 को थिएटर्स में लाने की प्लानिंग हो रही है। अभी इसकी शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में चल रही है। इससे जुड़ी आए दिन नई–नई अपडेट्स आती रहती हैं। एक और आई है, जो एक्टर की फीस से जुड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने अपनी ब्रांड एंडोर्समेंट फीस 17 गुना बढ़ा दी है। पुष्पा 2 द रूल में अल्लू अर्जुन जबरदस्त लुक में नजर आएंगे। वह इस मूवी के फर्स्ट पार्ट के पहले 35 करोड़ रुपये लेते थे लेकिन अब विज्ञापन करने के लिए वह 6 करोड़ रुपये एक दिन का वसूल रहे हैं। बताया जा रहा है कि इनके अलावा और भी कई साउथ एक्टर्स हैं, जिन्होंने अपनी फीस में 8 गुना की बढ़ोत्तरी पिछले दो सालों में की है।

मृणाल ठाकुर की आंख मिचौली को मिला कोर्ट से नोटिस

हाल ही में मृणाल ठाकुर की फिल्म आंख मिचौली रिलीज हुई थी। मूवी को जैसा भी रिस्पॉन्स मिला हो लेकिन अब ये कानूनी पचड़े में फंस गई हैं। इसके खिलाफ दिव्यांगजनों के विशेष कोर्ट जिसे CCPD भी कहते हैं, उसने प्रोड्यूसर्स और सेंसर बोर्ड को एक नोटिस जारी कर दिया है। आरोप है कि मेकर्स ने फिल्म में डिसेबिलिटीज का मजाक उड़ाया है। इसी पर कोर्ट ने जवाब मांगा है। फिल्म आंख मिचौली में परेश रावल, अभिमन्यु दसानी, मृणाल ठाकुर, दिव्या दत्ता, शरमन जोशी, अभिषेक बनर्जी जैसे तमाम कलाकार हैं। 3 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया है। इसमें एक्ट्रेस को शाम ढलने के बाद दिखना बंद हो जाता है। आंखों की रोशनी चली जाती है। अब इसके घरवाले इनके लिए एक बढ़िया लड़का ढूंढते हैं। वहीं, इनके पिता के रोल में परेश हैं, जिनको भूलने की बीमारी हैं। अभिषेक को हकलाने की बीमारी होती है। आंख मिचौली एक कॉमेडी फैमिली मूवी है। इसके डायरेक्टर उमेश शुक्ला, जिन्होंने 102 नॉट आउट और OMG जैसी फिल्में बनाई हैं, उनसे श्दैनिक भास्करश ने बात करने की कोशिश की तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। बात टाल दी। वहीं, ज्ज् के मुताबिक, डिसेबिलिटी के डिप्टी चीफ कमिश्नर पीपी अबंष्ट ने 11 नवंबर को नोटिस जारी किया था। साथ ही सेंसर बोर्ड और सूचना–प्रसारण मंत्री के सचिव से भी इसमें जवाब मांगा गया है।

निक जोनस कम उम्र से टाइप 1 डायबिटीज के हैं शिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

निक जोनस काफी कम उम्र से टाइप 1 डायबिटीज से जूझ रहे हैं और जब उनका ब्लड शुगर लेवल नीचे जाता है तो प्रियंका चोपड़ा उनका पूरा ध्यान रखती हैं। उन्होंने मालती को लेकर भी कहा कि कैसे बतौर पैरेंट्स उनका ध्यान वो रखते हैं। प्रियंका चोपड़ा के हसबैंड और एक्टर निक जोनस ने बताया कि वह अपने टाइप 1 डायबिटीज को कैसे मैनेज किया करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी वाइफ प्रियंका चोपड़ा को ये अच्छी तरह पता है कि अगर इमर्जेंसी वाली नौबत आए तो क्या करना है और क्या नहीं।

बेटी को भी समझाने की है प्लानिंग

निक जोनस ने कहा कि वे इसे लेकर भी प्लान कर रहे हैं कि बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस को इस बीमारी के बारे में समझाया जाए और ये भी बताया जाए कि क्यों उसके पापा को खुद के लिए थोड़ा वक्त चाहिए होता है जब उनका ब्लड शुगर लेवल लो हो जाता है।जब उनसे सवाल किया गया कि वह कैसे एक पिता के तौर पर अपना कंडिशन मैनेज करते हैं? इस सवाल पर निक जोनस ने कहा कि शुरुआती दिनों में जब उनकी बेटी घर पर होती थी और उनका ब्लड शुगर लो चला जाया करता था, उस वक्त उसे पापा के अटेंशन, बॉटल या किसी और चीज की जरूरत पड़ती थी...तो ये बिल्कुल नया अनुभव था उनके लिए। वे सोचने लगे कि एक दिन उसे भी इस समस्या के बारे में बताएंगे कि क्यों डैडी को कुछ सेकंड लग जाता है उसकी जरूरत को पूरा करने में।

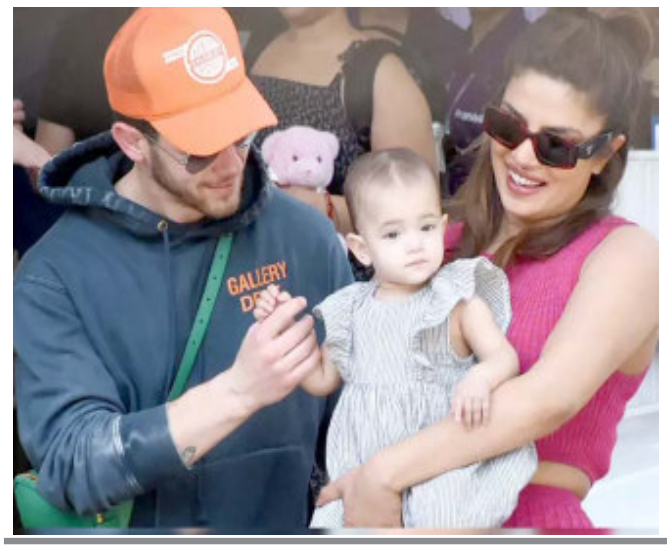

प्रियंका ब्लड शुगर नंबर्स ऐप के जरिए एक्सेस करती हैं

निक ने ये भी बताया कि प्रियंका चोपड़ा उनका ब्लड शुगर नंबर्स ऐप के जरिए एक्सेस करती हैं। जब वह किसी कॉन्सर्ट को लेकर बाहर या भाइयों के साथ आउटिंग पर होते हैं तो वह अपना डीटेल्स उनमें से किसी के साथ शेयर कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे वह ब्लड शुगर हाई होने पर अपने भाइयों को एलर्ट करते हैं वैसे ही प्रियंका को भी जानकारी दिया करते हैं। उन्होंने कहा, श्मैं प्रियंका को जानकारी दे दिया करता हूं ताकि किसी तरह के बेवजह खतरे का सामना न करना पड़े।श

प्रियंका की तारीफ करते हुए बताया उन्हें शानदार पार्टनर

निक ने प्रियंका की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार पार्टनर बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका को न केवल डायबिटीज को लेकर पूरा मैनेजमेंट पता है, बल्कि एक पैरेंट के तौर पर वो ये जानती हैं कि किसी भी हालात में उन्हें क्या करना है। बता दें कि निक और प्रियंका अगले महीने में अपनी पांचवीं वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट कर रहे हैं। दोनों की शादी 1 दिसम्बर 2018 को हुई थी और सरोगेसी के जरिए पिछले साल मालती का जन्म हुआ। प्रियंका आमतया निक के साथ कॉन्सर्ट में जाया करती हैं और अक्सर ऑडियंस के बीच भीड़ में खड़े होकर निक को चियर करती नजर आती हैं।

जल्द हो सकती है तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा की शादी?

साउथ एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के शादी की खबरें आनी शुरू हो गई हैं। लंबे समय से ये विजय वर्मा को डेट कर रही हैं। पहले तो इन्होंने अपने रिश्ते को बंद संदूक में छिपाकर रखा था। लेकिन अब पब्लिकली ये दोनों स्पॉट होते हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस शादी के बारे में सोच रही हैं।

तमन्ना और विजय गंभीरता से शादी के बंधन में बंधने के बारे में सोच–विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि तमन्ना पर शादी करने के लिए उसके माता–पिता का दबाव है। इस साल जून में तमन्ना भाटिया ने शादी को लेकर अपने विचार खुलकर सामने रखे थे। उन्होंने कहा था कि शादी एक बड़ी जिम्मेदारी है और किसी को इसमें तभी उतरना चाहिए जब उन्हें पता हो कि वो इसके लिए तैयार हैं। 33 साल की तमन्ना भाटिया ने कबूल किया था कि जब उन्होंने 18 साल पहले अपना करियर शुरू किया था, तो उन्होंने सोचा था कि वह इंडस्ट्री में महज आठ से 10 साल तक टिक पाएंगी। उसने 30 साल की उम्र तक अपनी शादी और दो बच्चों की कल्पना की थी। हालांकि, लाइफ कुछ अलग ही हो गई।

30 की उम्र में बच्चा करने की थी प्लानिंग

तमन्ना ने कहा था, श्जब मैंने सालों पहले काम करना शुरू किया था तो ऐसा लगता था कि एक एक्ट्रेस का करियर केवल 8–10 साल का होता था। इसलिए मैंने हिसाब लगाया और मुझे लगा कि 30 साल की उम्र तक मैं काम करना बंद कर दूंगी और शादी करके दो बच्चे पैदा कर लूंगी। मैंने 30 के बाद की कोई प्लानिंग नहीं की थी। इसलिए, जब मैं वास्तव में 30 साल की हो गई, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं तो अभी–अभी पैदा हुई हूं, यह एक पुनर्जन्म जैसा था, मुझे बिल्कुल नए बच्चे जैसा महसूस हुआ।

शादी के बारे में तमन्ना भाटिया

शादी के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, श्मुझे लगता है कि जब आप शादी करना चाहते हैं तो आपको शादी कर लेनी चाहिए। शादी एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह कोई पार्टी नहीं है। इसमें बहुत मेहनत लगती है, जैसे पौधा को बड़ा करना, एक कुत्ता पालना या बच्चे पैदा करना एक काम है। इसलिए जब आप ऐसी जिम्मेदारी के लिए तैयार हों जो जरूरी हो, तो आप उसे करें। इसलिए नहीं कि समय या सब कर रहे हैं तो करलो।

लिवर कैंसर को कोई रोक सकता है तो वो है ये फल

लिवर कैंसर में जिगर के सारे हिस्से पुराने, डैमेज और बीमार हो जाते हैं। कैंसर का नाम सुनकर ही लोगों के हाथ–पांव फूल जाते हैं। इसका काफी देर से पता चलता है, जिसकी वजह से इलाज करना मुश्किल हो जाता है। आंवला एक चमत्कारी फल है, जो सालों से एशिया में रहने वाले लोगों को फायदा पहुंचा रहा है। लिवर के अलावा कई तरह के कैंसर से बचने के लिए आंवला फायदेमंद साबित हो सकता है। यह विटामिन सी जैसा बहुत आवश्यक पोषक तत्व देता है, जो पूरे शरीर के लिए जरूरी है।

हमारे शरीर का हर एक हिस्सा सेल्स से बना है, जो खुद को रिपेयर करती रहती हैं। विटामिन सी इस पूरे काम में मदद करता है और खाली पेट आंवला खाने से वेट लॉस भी होता है। आइए ठंड में रोज आंवला खाने के फायदे जानते हैं।

लिवर कैंसर से प्रॉटेक्शन
एक शोध के मुताबिक, आंवला का सेवन करने से 620 सेल्स की ग्रोथ रोकी जा सकती है। यह लिवर कैंसर के साथ स्किन कैंसर और पेट का कैंसर का प्रमुख कारण होता है। साइंस डायरेक्ट पर मौजूद यह स्टडी जानवरों पर बेस्ड है।

हाई नहीं होगा ब्लड शुगर
कई स्टडी के अंदर आंवला को डायबिटीज के मरीजों के लिए गुणकारी पाया गया है। यह फास्टिंग और पोस्ट मील ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल रखने में सपोर्ट करता है। टाइप 2 डायबिटीज मैनेज करने के साथ इसे बचाव के रूप में भी देखा जा सकता है।

बुढ़ापा रोकने वाला फल
उम्र बढ़ने के साथ स्किन और बालों की हेल्थ गिरने लगती है। नजर कमजोर होने के कारण लोगों को देखने में भी परेशानी होने लगती है। लेकिन आंवला खाकर इन दिक्कतों को दूर रखकर बुढ़ापे का एहसास करने से बचा जा सकता है।

ठंड में क्यों खाना चाहिए आंवला?
सर्दी में इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर हो जाता है और फ्लू व इंफेक्शन घेर लेते हैं। बच्चों व बुजुर्गों को इन बीमारियों का ज्यादा खतरा होता है। आंवला में विटामिन सी का भंडार है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है।

खून से खींच लेगा चर्बी
कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड गंदे फैट होते हैं, जो खून की नसों में जम जाते हैं। हार्ट अटैक और स्ट्रोक के पीछे इन्हें जिम्मेदार पाया गया है। आंवला खाने से इन गंदे फैट्स को कम करके दिल की बीमारियों को दूर किया जा सकता है।

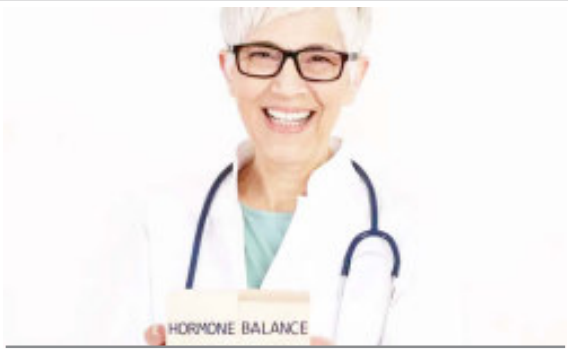

अपनी हार्मोनल प्रॉब्लम को घर पर एक्सरसाइज से करें बैलेंस

एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन में असंतुलन इर्रेगुलर पीरियड्स का कारण है, वहीं थायराइड हार्मोन में असंतुलन होने से वजन बढ़ सकता है। इसी पर अभिनेत्री और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट भाग्यश्री दासानी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने हार्मोनल बैलेंस के महत्व के बारे में बताया है। आमतौर पर हम सभी दो से चार तरह के हार्मोन्स के बारे में ही जानते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों ने अब तक मानव शरीर में 50 से ज्यादा हार्मोन्स की पहचान की है। ये सभी मेटाबॉलिज्म, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और रिप्रोडक्टिव साइकिल के अलावा स्ट्रेस लेवल को रेगुलेट करने में हेल्प करते हैं। हार्मोन्स में किसी तरह का असंतुलन तब होता है, जब शरीर में इनकी मात्रा बहुत ज्यादा या बहुत कम हो। 54 वर्षीय एक्ट्रेस भाग्यश्री अपनी फिटनेस को लेकर काफी सतर्क रहती हैं। वह इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव हैं। समय–समय पर फिटनेस वीडियोज भी फॉलोअर्स के साथ शेयर करती रहती हैं। एक वीडियो में उन्होंने बताया कि हमारे शरीर में हार्मोन का बैलेंस होना बहुत जरूरी है। इससे मेटाबॉलिज्म एक्टिविटी को रेगुलेट करने में मदद मिलती है। अगर पिट्यूटरी, थायराइड, ओवेरियन और पैंक्रियाज में होने वाली कोई भी समस्या हार्मोन्स में असंतुलन की वजह बन सकती है।

वक्त पर पकड़ना है काला मोतिया तो एक बार करें ये काम

पॉल्यूशन ने अपना जोर लगाया हुआ है। लोगों को इस वजह से आंखों में जलन, सांसों की परेशानी, एलर्जी की शिकायत, गले में खराश समेत तमाम तरह की परेशानियों ने घेर रखा है। साथ ही मौसम बदल रहा है और त्योहारों का सीजन भी चल रहा है। साल में एक बार आंखों की जांच होनी चाहिए, वह भी आंखों को डाइलेट करके। आजकल कंप्यूटर के माध्यम से टेस्टिंग होती है। लेकिन आंखों की अंदरूनी परेशानी का पता लगाने के लिए डाइलेट करने के खास लिक्विड की चंद बूंदें आंखों में डाली जाती हैं। इससे डॉक्टर को आंखों के भीतरी हिस्से, नसें आदि अच्छी तरह दिख जाती हैं। इससे आंखों की परेशानियों को समझना आसान हो जाता है। इस जांच का चलन ज्यादातर शुगर पेशेंट्स और उम्र से जुड़ी परेशानियों में होता है। फिर भी इस तरह की जांच सभी के लिए होनी चाहिए। 40 साल की उम्र के बाद हर साल आंखों का प्रेशर जरूर चेक कराएं।

पेट में जाते ही कोलेस्ट्रॉल को काटने लगता है ये खास चावल

कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए क्या खाएं? साबुत अनाज खाने से कोलेस्ट्रॉल कम इसलिए कम होता है क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है। ऐसा माना जाता है कि फाइबर आंतों के कामकाज में सुधार करता है और कोलेस्ट्रॉल के गठन को रोकता है। साबुत अनाज का मतलब सफेद ब्रेड, सफेद चावल, सफेद आटा नहीं है। क्योंकि इन चीजों को बनाने के तरीके में फाइबर, आयरन और कई बी विटामिन हटा दिए जाते हैं। मेयो क्लिनिक के अनुसार, साबुत गेहूं के पास्ता में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन तंत्र में मदद करता है और हृदय रोग, मोटापा और डायबिटीज के खतरे को कम करता है। इसमें फाइबर के अलावा, अनाज थियामिन (विटामिन बी 1), राइबोफ्लेविन (विटामिन बी 2), नियासिन (विटामिन बी 3), फोलेट (विटामिन बी 9), आयरन, मैग्नीशियम और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस खाना आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। इनमें फाइबर ज्यादा पाया जाता है। यूएसडीए के अनुसार, 1 कप पके हुए लंबे दाने वाले भूरे चावल में 3 ग्राम (जी) से अधिक फाइबर होता है, जबकि 1 कप पके हुए लंबे दाने वाले सफेद चावल में 1 ग्राम से भी कम होता है। ब्राउन राइस विटामिन बी, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम का एक बड़ा स्रोत है। क्विनोआ एक ग्लूटेन–फ्री अनाज है, जिसमें विटामिन बी की मात्रा अधिक होती है।

एक ही ब्रा को 2 दिन तक पहने रहती हैं आप? न करें ऐसी गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लगातार एक ही ब्रा को दो दिन तक पहनने से शरीर पर कई साइड इफेक्ट देखने को मिलता है। ब्रा को नियमित रूप से साफ करना जरूरी है। एक ही ब्रा को दो–तीन तक पहनकर रखने से इंफेक्शन से लेकर दर्द की समस्या शुरू हो जाती है।

फायदे और साइड इफेक्ट्स
महिलाओं के लिए ब्रा पहनना किसी टास्क से कम नहीं है। पूरे–पूरे दिन टाइट ब्रा पहनकर रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। ब्रा अलग–अलग शेप और साइज के होते हैं, लेकिन हर बार ही इसे पहनना एक बंधन जैसा लगता है। ब्रा पहनना महिलाओं की जरूरत है, कंफर्ट नहीं। इसे पहले सोशल जिम्मेदारी के साथ–साथ महिलाओं के शरीर के लिहाज से भी जरूरी है। इस ब्रा की शुरुआत ग्रीस में हुई थी। सालों पहले ग्रीस में महिलाओं ने सबसे पहले ब्रा पहनना शुरू किया था, लेकिन शुरुआत से आज इसका शेप बिल्कुल अलग है। पहले ब्रा ऊनी या लिनेन के बैंड से बनाई जाती थी। इन्हें महिलाओं के स्तनों के चारों ओर लपेटा जाता था। समय के साथ इसमें बदलाव होता रहा है। ब्रा पहनने के अपने फायदे और साइड इफेक्ट भी होते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो एक ही ब्रा को दो–तीन दिन तक लगातार पहनकर रखते हैं।

एक ही ब्रा को दो-तीन दिन तक न पहने
लड़कियां अपने पास कई जोड़े ब्रा रखती हैं, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि वो आलस के चक्कर में एक ही ब्रा को कई दिनों तक

लगाता पहनकर रखती हैं। ऑब्स्टट्रिशन –गयनेकोलॉजिस्ट, डॉ. तनुश्री पांडे पडगांवकर के मुताबिक एक ही ब्रा दो–तीन दिन तक पहनकर रखने पर आपके शरीर का नुकसान होता है। खासकर गर्मियों के मौसम में समस्या और बढ़ जाती है। टाइट ब्रा पहने से पसीना इकट्ठा होता है। उसी ब्रा को लगातार पहने रहने से शरीर में फंगल इन्फेक्शन, रैशेज जैसी समस्या हो सकती है।

ब्रा को सही तरीके से धोने और सुखाने का तरीका
डॉ. तनुश्री पांडे पडगांवकर के मुताबिक हर बार ब्रा उतारने के बाद उसे साफ करना जरूरी है। ब्रा को हाथों से साफ करना चाहिए। पानी और साबुन की मदद से उसकी क्लीनिंग करनी चाहिए। इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि ब्रा में सर्फ या साबुन लगा न रहे। खुले और हवा वाली जगहों पर उसे ठीक से सूखाना चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि महिलाएं कपड़ों के नीचे ढ़ककर इनरवियर को सुखाती हैं, जो गलत प्रैक्टिस है। सही से नहीं सुखाने पर ब्रा नुकसान पहुंचा सकती है।

लंबे वक्त तक एक ही ब्रा पहनने के नुकसान
लंबे वक्त तक ब्रा पहनना आपके पीठ दर्द और कंधे के दर्द का कारण भी हो सकता है। इसके अलावा दिनभर ब्रा पहने रहने से त्वचा पर निशान पड़ जाते हैं। दिनभर ब्रा पहने रहने से शरीर पर कई साइड इफेक्ट देखने को मिलता है। ब्रेस्ट पेन, दर्द जैसी समस्या हो जाती है। दिनभर ब्रा पहनकर रखने से ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है। पीठ और गर्दन दर्द, स्किन इरिटेशन, हाइपरपिग्मेंटेशन और फंगस के फैलने की आशंका बढ़ जाती है।

बारिश ने डाली मैच में खलल

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जा रहा यह सेमीफाइनल मैच बारिश से प्रभावित रहा है। साउथ अफ्रीकी पारी के 14वें ओवर में बारिश ने खलल डाल दी और मैच को रोकना पड़ा। इस दौरान साउथ अफ्रीकी टीम ने 44 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया। हालांकि 3 बजकर 55 मिनट पर खेल को फिर से शुरू कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया के आगे पावर प्ले में हांफ गई साउथ अफ्रीका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलकाता। आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 का दूसरा सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जा रहा है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले जा रहे इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के आगे पावर प्ले में ही साउथ अफ्रीका की टीम हांफती हुई नजर आई। इस दौरान टेम्बा बावुमा की अगुवाई में साउथ अफ्रीका ने वनडे विश्व कप में एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। दरअसल साउथ अफ्रीकी टीम ने पहले 10 ओवर के खेल में सिर्फ 18 रन के स्कोर पर अपने 2 विकेट गंवा दिए। इसके साथ ही वनडे विश्व कप में साउथ अफ्रीका संयुक्त रूप से पावर प्ले में चौथी लोएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने पावर प्ले में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज अपना पैर तक नहीं हिला पा रहे थे। इस दौरान टीम ने कप्तान टेम्बा बावुमा और क्विंटन डिकॉक का विकेट गंवाया। आईसीसी वनडे विश्व कप में पावर प्ले के दौरान सबसे लोएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से श्रीलंका, पाकिस्तान और कनाडा के नाम दर्ज है। श्रीलंकाई टीम ने इसी विश्व कप में भारत के खिलाफ पावर प्ले के खेल में सिर्फ 14 रन के स्कोर 6 विकेट गंवा दिए थे।

न्यूज डायरी

विराट को रोहित ने गले लगाया, अश्विन ने चूमा शमी का हाथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। सुनहरे सपने को जीना किसे कहते हैं कोई भारतीय खिलाड़ियों से पूछे। पिछले सवा महीने के भीतर टीम इंडिया ने अपने इतिहास की बेस्ट क्रिकेट खेली है। सामने आने वाली हर विरोधी टीम को मिट्टी में मिला दिया। लगातार 10 मैच जीतते हुए वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में जगह बनाई। चार साल पहले मैनचेस्टर में जिस न्यूजीलैंड ने भारत को सेमीफाइनल में हराया था अब मुंबई में रोहित शर्मा एंड कंपनी ने उन्हीं कीवियों का सफर खत्म कर हिसाब चुकता कर दिया। इस शानदार जीत के बाद इंडियन ड्रेसिंग रूम का माहौल देखने लायक था। इस विशाल जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी भावुक नजर आए। प्लेयर्स ने एक दूसरे से गले लगकर जीत की मुबारकबाद दी। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें प्लेयर्स की नम आंखें साफ देखी जा सकती है। जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने पूर्व कप्तान विराट कोहली की पीठ थपथपाते उन्हें फाइनल में पहुंचने की मुबारकबाद दी। सिर्फ छह मैच में 23 विकेट लेकर वर्ल्ड कप 2023 के सबसे सफल गेंदबाज बन चुके मोहम्मद शमी पूरे देश के हीरो बन चुके हैं। सेमीफाइनल में सात विकेट लेने वाले शमी का हाथ चूमकर रविचंद्रन अश्विन ने शानदार प्रदर्शन की बधाई दी।

शमी के खिलाफ बयान देकर बुरे फंसे हसन रजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत ने वानखेड़े में खेले गए पहले वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को धूल चटाकर फाइनल में जगह बनाई। भारत ने बल्ले और गेंद से कमाल करते हुए कीवी टीम को 70 रन से हराया। भारतीय टीम 12 साल बाद वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। न्यूजीलैंड को हराने और भारत को फाइनल में पहुंचाने में मोहम्मद शमी और विराट कोहली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शमी ने घातक गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के सात बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। शमी पहले ऐसे गेंदबाज बने जिन्होंने, वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके अलावा शमी ने सबसे तेज वर्ल्ड कप में 50 विकेट लेने का कमाल कर दिखाया। शमी के इस प्रदर्शन को देखते हुए पाकिस्तान के फैंस और कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने आरोप लगाया कि भारतीय टीम को गेंदबाजी के दौरान दूसरी गेंद दी जा रही है। पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी हसन रजा ने कहा कि शमी को अगल गेंद दी जा रही है। इसके चलते उसे स्विंग मिल रही। इस पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट ने करारा जवाब दिया है। सलमान बट ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, मोहम्मद शमी ने अपनी जेब में एक गेंद छिपाई और अपनी गेंद से गेंदबाजी की। बस उन लोगों को नजरअंदाज करें जो ऐसी बातें कहते हैं।

40 सालों में चौथी बार फाइनल खेलने के लिए टीम इंडिया तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वर्ल्ड कप 2023 की ट्रॉफी को उठाने से टीम इंडिया बस एक कदम दूर है। सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 70 रन से मात देकर फाइनल में एंट्री कर ली। 19 नवंबर को रोहित शर्मा की पलटन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मुकाबले के लिए तैयार है। कपिल देव की अगुवाई में पहली बार भारतीय टीम विश्वकप के फाइनल में पहुंची। मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 54.4 ओवर में 183 रन जोड़ने में कामयाब हुए। कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने 38 रन और मोहिंदर अमरनाथ ने 26 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम गेंदबाजी करने उतरी और वेस्टइंडीज को 52 ओवर में 140 रन पर ही ऑल आउट कर दिया। इस मैच में मोहिंदर अमरनाथ और मदन लाल ने तीन–तीन विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज की ओर से विव रिचर्ड्स ने 28 गेंदों पर 33 रन की पारी खेली थी। इस जीत ने भारत में क्रिकेट की क्रेज काफी बढ़ गई। वर्ल्ड कप 2003 में सौरव गांगुली की अगुवाई में टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में कमाल का प्रदर्शन किया। फाइनल में टीम इंडिया का सामना रिकी पोंटिंग की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया टीम से हुआ। इस मैच में कंगारू टीम का पलड़ा काफी भारी दिखा। वर्ल्ड कप 2011 का फाइनल मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया। इस मैच को भारत ने छह विकेट से जीतकर वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर दूसरी बार कब्जा किया।

भारत को फाइनल में पहुंचता देख पाकिस्तान को हुई जलन!

क्रिकेट

पूर्व क्रिकेटर ने रोहित शर्मा पर लगाया टॉस फिक्सिंग का आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का पहला सेमीफाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया। इस मैच में भारत ने कीवी टीम को 70 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद हर जगह उनकी जमकर तारीफ हो रही है, तो वहीं, पाकिस्तान भारत की जीत से खुश नहीं नजर आ रहा है।

पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट से लीग स्टेज में ही बाहर हो गई थी, लेकिन रोज पाकिस्तान टीम के पूर्व क्रिकेटर्स बयानबाजी करते हुए नजर आ रहे हैं। इस कड़ी में अब पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सिकंदर बख्त ने कप्तान रोहित शर्मा पर बड़ा आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा है कि रोहित टॉस के दौरान सिक्का दूर फेंकते हैं, ताकि

टॉस का रिजल्ट उनके पक्ष में हो और दूसरे कप्तान को कुछ मालूम न चले। सिकंदर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने कैप्शन से हर किसी को हैरानी में डाल दिया।

दरअसल, पाकिस्तान टीम के पूर्व क्रिकेटर सिकंदर बक्त ने अपने एक्स पर भारत बनाम न्यूजीलैंड के टॉस की एक वीडियो शेयर की, जिसे शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा शरारत कर सकता हूं? मैं एक सवाल कर रहा हूं हम दिखा सकते है टॉस के वक्त, रोहित शर्मा जब टॉस करते है तो वो दूर फेंकते है सिक्का और दूसरा कप्तान जा के कभी नहीं देखता कि वो सही उसने किया।

सिकंदर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि बहुत अजीब है जिस तरह से रोहित शर्मा ने टॉस के समय सिक्का फेंका वो बहुत दूर था, जिसे बाकी कप्तानों को देखने नहीं दिया, कोई कारण इसका? सिकंदर ने इशारों–इशारों में रोहित शर्मा पर टॉस फिक्सिंग को लेकर आरोप लगाए और कहा कि हम टॉस दिखा सकें तो। रोहित शर्मा जब टॉस करते हैं, तो वो सिक्के को दूर फेंकते हैं। इससे दूसरे कप्तान को पता नहीं चल पाता कि रिजल्ट क्या है। मेरा मानना है कि टॉस को दिखाया जाए।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी थी।

वानखेड़े पिच विवाद पर अब केन विलियमसन ने तोड़ी चुप्पी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच उपलब्ध कराए जाने को लेकर पूरे दिन विवाद छाया रहा। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने स्वीकार किया कि यह वास्तव में एक बहुत अच्छी सतह थी। खबरों में दावा किया गया था कि बीसीसीआई ने अपने स्पिनरों की मदद के लिए फाइनल के लिए निर्धारित नई पिच को उस पिच से बदल दिया जिस पर पहले ही दो मैच खेले जा चुके थे।

अंत में, यह एक सूखी और धीमी पिच थी जिस पर तीन बल्लेबाजों – विराट कोहली (117), भारत के श्रेयस अय्यर (105) और न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल (134) ने शतक लगाए

वानखेड़े की पिच को लेकर हुआ था विवाद

और भारत के मोहम्मद शमी ने सात विकेट झटके। विलियमसन ने स्वीकार किया कि मैच में पहले इस्तेमाल किए जाने के बावजूद यह एक अच्छी पिच थी।

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हां, यह एक इस्तेमाल किया हुआ विकेट था, लेकिन वास्तव में एक बहुत अच्छी सतह थी, जैसा कि हमने देखा। मेरा मतलब है, उन्होंने मैच के पहले भाग में इसका भरपूर फायदा उठाया। और मुझे लगता है कि रोशनी के नीचे जाने पर स्थितियां बदल जाती हैं और चीजें, और हमने इस पूरे प्रतियोगिता में यही देखा है। यह ठीक है, आप यही उम्मीद करते हैं और उन्होंने वास्तव में अच्छा खेला। हालांकि विलियमसन ने कहा कि सेमीफाइनल हारना निराशाजनक था, लेकिन उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने पूरे सात सप्ताह के टूर्नामेंट में अच्छा संघर्ष किया। विलियमसन ने कहा, श्तो हां, मेरा मतलब है कि इस स्तर तक पहुंचना और आगे नहीं बढ़ना निराशाजनक है, लेकिन साथ ही आप कुछ छोटे क्षणों के बजाय सात हफ्तों पर विचार करते हैं और हम एक बेहतर टीम से हार गए। आपको बता दें कि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में रोहित सेना ने निर्धारित 50 ओवर में 4 विकेट पर 397 रन ठोक डाले और कीवी टीम को 398 रन का बड़ा टारगेट दिया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने अच्छी बल्लेबाजी की और अंत तक संघर्ष करते रहे। लेकिन जीत नहीं पाए।

मेरे परिवार का साथ नहीं मिलता तो मैं क्रिकेट छोड़ देता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वर्ल्ड कप 2023 में भारत की उम्मीद का दूसरा नाम श्मोहम्मद शमीश बन चुका है। क्रिकेट एक टीम गेम है लेकिन इस समय टीम इंडिया की बॉलिंग डिपार्टमेंट का सबसे ज्यादा भार अकेले मोहम्मद शमी अपने कंधे पर उठाकर फाइनल की ओर टीम इंडिया को लेकर चल पड़े हैं। शमी विकेट लेने के बाद हंसते है, जमीन पर गिरते हैं, लेकिन कभी भारत को निराश नहीं करते। हमेशा चेहरा पर एक सौम्य मुस्कान रखने वाले मोहम्मद शमी की जिंदगी ट्रैजिक फिल्म से कम नहीं रही। तीन बार खुद को मिटाने के ख्याल संजोने वाले तेज गेंदबाज की जिंदगी के बारे में शायद कम ही लोग जानते हैं। हर खिलाड़ी एक बुरे दौर से गुजरता है, लेकिन शमी के जीवन में एक ऐसा समय आया जब न तो उनकी क्रिकेट करियर अच्छी चर रही थी और उनकी पर्सनल लाइफ। पिछले कुछ पहले यानी साल 2018 में मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने उनप घरेलू हिंसा, मारपीट, मैच फिक्सिंग समेत कई गंभीर आरोप लगाए। मामला कोर्ट तक पहुंचा।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 17 नवंबर 2023 पेज 8

केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह ने लिया साइट का जायजा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने दी राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया से जुड़े सभी प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है और लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता अहम है। प्रेस किसी भी समाज का आईना होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की आजादी के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के साथ ही हमारे सामाजिक सरोकारों पर भी मीडिया का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। सामाजिक जन जागरण में भी मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सहयोगी के पिता के निधन पर शोक जताया

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मैक्स अस्पताल पहुंचकर मुख्यमंत्री कार्यालय के अपने सहयोगी किशोर भट्ट के पिताजी मुरारी लाल भट्ट के देहावसान पर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

आरटीओ के मिनिस्ट्रीयल कर्मियों ने जताया विरोध

संवाददाता देहरादून। आरटीओ के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने प्रदेश संगठन के आह्ववान पर विभिन्न मांगों को लेकर बांहों में काला फीता बांधकर विरोध जताया। जिलाध्यक्ष बृजमोहन रावत ने कहा कि मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी लंबे समय से 21 सूत्रीय मांगों को लंबे समय से लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उनका समाधान नहीं हो पाया। सरकार को जल्द ही कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों का समाधान करना चाहिए। इस मौके पर प्रदेश सचिव विनोद चमोली, जिलाध्यक्ष बृजमोहन रावत, जिला सचिव नवीन कुमार, देवेंद्र रावत, अमित गुप्ता, निकिता गुसाईं, प्रीति, भुवनेश, अर्चना शर्मा, सुरेखा, देवेंद्र मनवाल आदि मौजूद रहे।

जीटीएफ ने लॉच किया हाईटेक स्टॉक मार्केट इंस्टीट्यूट

संवाददाता देहरादून। स्टॉक मार्केट एजुकेशन के लीडिंग इंस्टिट्यूट गेट टुगेदर फाइनेंस ने जयपुर में अपना नया सेंटर लॉच किया है। इस इंस्टिट्यूट की सबसे खास बात यह है कि न केवल देश के सबसे बड़े इंस्टिट्यूट में से एक है बल्कि सबसे ज्यादा हाईटेक भी है स्टॉक मार्केट में एजुकेशन को ऑर्गनाइज्ड और मॉडर्न स्टूडेंट्स की जरूरत के हिसाब से इस इंस्टिट्यूट को डिजाइन किया गया है। मॉडर्न इक्वीपमेंट्स, टेक्नोलॉजी और आजीवन फ्री मेंटरशिप का साथ जीटीएफ के इस इंस्टीट्यूट को सबसे खास बनाता है। हमारा उद्देश्य है कि हर घर में एक जीटीएफ ट्रेडर हो और यह नया सेंटर उसी श्रृंखला में एक कदम है।

रेस्क्यू टीमों को हर संभव सहायता मुहैया कराएंः सीएम

उत्तरकाशी हादसा

■ सिलक्यारा में चल रहे हैं रेस्क्यू ऑपरेशन पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी सिलक्यारा में चल रहे हैं रेस्क्यू ऑपरेशन पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं। सीएम धामी ने कमिश्नर गढ़वाल, आईजी गढ़वाल एवं राहत एवं बचाव में लगी एजेंसियों से सिलक्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन तथा टनल में फंसे श्रमिकों की कुशलक्षेम की हर पल की अपडेट ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सचिवालय में बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेस्क्यू कार्य में लगी सभी टेक्निकल एजेंसियों को हर संभव सहयोग दिया जाय। गढ़वाल कमिश्नर को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि रेस्क्यू कार्य में किसी भी प्रकार से विलंब न हो, मौके पर कार्य कर रही एजेंसियों को राज्य की तरफ से सभी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाये। मुख्यमंत्री बचाव कार्यों में लगी एजेंसियों और जिलाधिकारी उत्तरकाशी से भी समय–समय पर अपडेट ले रहे हैं।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय एवं सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

सुरंग में शुरू हुई ड्रिलिंगः सिलक्यारा में मजदूरों का राहत एवं बचाव कार्य जारी है। सुरंग में आए मलबे में जैक एंड पुश अर्थ ऑगर मशीन के जरिए पहला पाइप डाला जा चुका है। जिसके बाद अब ड्रिलिंग का काम लगातार जारी है।

सिलक्यारा पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंहः केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह ने उत्तरकाशी के सिलक्यारा में साइट पर पहुंचकर निरीक्षण किया और रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने हादसे की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि काम चल रहा है। हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं। सभी एक्सपर्ट से बातचीत करके हमारा पूरा प्रयास है कि मजदूरों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए। उनसे मेरी बात हुई है। हम सब तरह के विकल्प देख रहे हैं। कहा कि शुरुआती बचाव कार्य में ड्रिलिंग मशीन का उपयोग किया जा रहा था, जिसके कारण कुछ हिस्सों में गड़बड़ी हुई, यही कारण है कि हमने इसे रोक दिया, क्योंकि इससे अधिक खतरनाक साबित हो सकता था। अब, एक नई मशीन का उपयोग किया जा रहा है। इस कार्य को दो–तीन दिनों में सफलतापूर्वक पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

सुरंग में पहले से क्यूं नही थे सुरक्षा और बचाव के इंतजाम

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी ने आरोप लगाया है कि सिलक्यारा सुरंग में पहले भी भूस्खलन हो चुका था, लेकिन इसे दरकिनार कर काम जारी रखा गया। उस पर निर्माण के दौरान सुरक्षा और बचाव के भी प्रबंध नहीं किए गए थे। उत्तरकाशी के सिलक्यारा हादसे की जानकारी लेने के लिए कांग्रेस की ओर से पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मौके पर भेजा गया था। वहां से लौटने के बाद नैथानी ने गुरुवार को कांग्रेस भवन में पत्रकार वार्ता कर हालात की जानकारी दी। नैथानी ने कहा कि टनल में उसी जगह पर पूर्व में भी तीन बार मलबा आ चुका था, लेकिन तब बचाव के समुचित उपाय नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि यदि टनल बनाने से पूर्व सेफ्टी ऑडिट हुआ भी तो उसकी निगरानी नहीं की गई। मजदूरों के परिजन निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने का कि निर्माणकर्ता कंपनी महाराष्ट्र में विवादों में घिर चुकी है।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने को सरकार लगातार कर रही प्रयास

उद्घाटन

■मुख्यमंत्री ने मलेट बेकरी आउटलेट का किया उद्घाटन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में मिलेट बेकरी आउटलेट का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य के मोटे अनाजों पर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने और महिला स्वयं सहायता समूहों की आजीविका में वृद्धि करने के उद्देश्य से सचिवालय परिसर में मिलेट बेकरी का आउटलेट शुभारंभ किया गया है।

राज्य में ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थानीय मंडुआ, झंगोरा, ज्वार, चौलाई इत्यादि अनाजों के उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इन उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए जनपद देहरादून के रायपुर ब्लॉक तथा जनपद पौड़ी के पौड़ी ब्लॉक में 2 मिलेट उत्पादों की बेकरी प्रारम्भ की गयी है। मिलेट बेकरी में मंडुआ तथा झंगोरा का प्रसंस्करण कर बिस्किट, ब्रेड तथा पिज्जा बेस व अन्य उत्पाद तैयार किये जा रहें है। अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अन्तर्गत स्थानीय मोटे अनाजों के उत्पादन और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य में अनेक कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

राज्य सरकार द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। वर्ष 2025 तक सवा लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अभी तक 40 हजार 270 महिलायें लखपति दीदी बनायी जा चुकी है। चयनित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बेकरी विशेषज्ञ के माध्यम से बेकरी उत्पाद हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिससे अधिक संख्या में समूहों द्वारा बाजार की मांग के अनुरूप उच्च गुणवत्ता तथा पोषण से युक्त बेकरी उत्पाद तैयार कर लोगों को उपलब्ध करा सके।

श्रद्धा पूर्वक मनाई गई मघर महीने की संग्रांद

संवाददाता देहरादून। श्री गुरु सिंह सभा आढ़त बाजार में श्रद्धापूर्वक मघर महीने की संग्रांद कथा कीर्तन के साथ मनाई गई। प्रातः नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई चरनजीत सिंह ने आसा दी वार का शबद सतगुरु होइ दयालु त सरधा पुरिऐ. . का गायन किया व श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाला। हैड ग्रंथी शमशेर सिंह ने कहा कि जो लोग मघर महीने में सत्संग करते हैं, वो सुंदर जीवन जीते हैं। गुरु साहिब जी गुण दे कर महान बना देते हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी जत्थे भाई चरणजीत सिंह ने श्मघरि माहि सोहदिया हरि पिर संगि बैठिया. ., आगै सुख मेरे मीता,पाछे आनन्द प्रभ कीता..शबद गायन किया। हैंड ग्रंथी ने सरबत के भले के लिए अरदास की। प्रधान गुरबख्श सिंह राजन, महासचिव गुलजार सिंह ने संगतों को मघर महीने की संग्राद की बधाई दी। मनजोत सिंह, देवेन्दर सिंह सहदेव, तिलक राज कालरा को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।